नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

4 एक न्यायाधिकरण, जो अपने आप में पूर्ण है

9 टैक्स 23% बढ़कर 8.11 लाख करोड़

10 अक्षय ने 'हैवान' में निभाया खलनायक का किरदार

11 जूनियर शतरंज में भिड़ेंगे 10 देशों के 157 खिलाड़ी

जेपीसी को भेजा विदेश फंडिंग बिल

संसद में विपक्ष के विरोध के बीच प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, 12 अगस्त. विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच लोकसभा ने इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया है. हंगामे के बीच केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव को सदन की मंजूरी मिल गई. अब विधेयक के प्रावधानों की विस्तार से समीक्षा संयुक्त संसदीय समिति करेगी.

लोकसभा में विपक्षी दलों ने विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक का विरोध किया और सरकार से इसे वापस लेने की मांग की. विपक्ष ने विधेयक के प्रावधानों को लेकर आपत्ति जताई. इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा कि वे विधेयक में ऐसा कोई प्रावधान बताएं, जो किसी समुदाय या अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो.

विधेयक की जांच के लिए गठित होने वाली संयुक्त समिति में कुल 31 सदस्य होंगे. इनमें लोकसभा से 21 सदस्य और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल किए जाएंगे. लोकसभा के सदस्यों का नामांकन लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सदस्यों का नामांकन राज्यसभा के सभापति की ओर से किया जाएगा.समिति को विधेयक के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट तैयार करनी होगी.

14	21	10	31
मिनट में 2 विधेयक पारित	सदस्य लोकसभा के जेपीसी में	सदस्य राज्यसभा के जेपीसी में	सदस्य होंगे विधेयक की जांच के लिए

शीतकालीन सत्र में पेश होगी रिपोर्ट

संयुक्त समिति अपनी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र 2026 के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक लोकसभा में पेश करेगी. समिति की बैठकों के संचालन के लिए गणपूर्ति का नियम भी तय किया गया है. इसके तहत समिति की बैठक के लिए कुल सदस्य संख्या के लगभग एक-तिहाई सदस्यों की उपस्थिति जरूरी होगी. साथ ही संसदीय समितियों से जुड़े लोकसभा के नियम समिति की कार्यवाही पर लागू होंगे. विदेशी योगदान (विनियमन) कानून देश में विदेशों से मिलने वाले धन और उसके उपयोग को नियंत्रित करता है. संशोधन विधेयक के जरिए सरकार इसमें प्रस्तावित बदलाव करना चाहती है. अब संयुक्त संसदीय समिति की समीक्षा के बाद ही विधेयक की आगे की प्रक्रिया तय होगी.

जस्टिस वर्मा पर आरोप सही : रिपोर्ट

- जस्टिस वर्मा कैश कांड की रिपोर्ट संसद में पेश
- स्टोर रूम में बड़ी मात्रा में अधजले 500 के नोट मिले थे

नई दिल्ली, 12 अगस्त. जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े नकदी मामले में लोकसभा की जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट बुधवार को संसद में पेश कर दी गई. तीन सदस्यीय समिति ने अपनी जांच में जस्टिस वर्मा के खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सिद्ध माना है.

समिति ने कहा कि दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास के स्टोर रूम में बड़ी मात्रा में अधजले 500 रुपये के नोट मिले थे, लेकिन जस्टिस वर्मा इन नोटों के वहां होने, उनके स्रोत और स्वामित्व को लेकर कोई स्पष्ट और संतोषजनक जवाब नहीं दे सके.

जस्टिस वर्मा से यह जानने की कोशिश की गई थी कि उनके सरकारी आवास के स्टोर रूम में मिली नकदी कहां से आई और वह किसकी थी. जांच के दौरान उनके जवाब में स्पष्टता और पारदर्शिता का अभाव पाया गया. समिति ने उनके रवैये को टालमटोल वाला और असंतोषजनक बताया. नकदी के संबंध में जस्टिस वर्मा की ओर से ऐसा कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया, जिससे मामले में उठे मूल सवालों का समाधान हो सके.

> जांच समिति ने केवल नकदी के मामले पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि घटनास्थल पर साक्ष्यों को सुरक्षित रखने में हुई कथित लापरवाही को भी गंभीर माना. रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोर रूम में मौजूद महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उचित तरीके से सुरक्षित या संरक्षित नहीं किया गया. अदालत की जांच प्रक्रिया के अनुरूप परिसर को सुरक्षित करने और औपचारिक जांच शुरू होने से पहले ही वहां मौजूद साक्ष्यों की स्थिति में बदलाव किए जाने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है. समिति ने यह भी सवाल उठाया कि बाद में कुछ करेंसी नोटों के गायब होने या मौके पर नहीं मिलने का कोई संतोषजनक कारण सामने नहीं आया.

आजादी के जश्न के बीच बलूचिस्तान में बड़ा हमला

इस्लामाबाद, 12 अगस्त। पाकिस्तान की आसिम मुनीर आर्मी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो अपनी ही आवाम के लिए आतंकवादी बन चुकी है. बलूचिस्तान के सुराब इलाके से एक ऐसी रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में मातम पसार दिया है.

एयरस्ट्राइक में 28 लोगों की मौत

जिस वक्त पूरा बलूचिस्तान अपनी आजादी का जश्न मना रहा था, ठीक उसी रात मुनीर की फौज ने दरिंदगी की सारी हदें पार कर दीं. पाकिस्तानी सेना ने अपने ही मासूम बच्चों, महिलाओं और निहत्थे लोगों पर एयरस्ट्राइक कर दी, ठीक वैसा ही हवाई हमला, जैसा जंग के मैदान में दो दुश्मन एक-दूसरे पर करते हैं. फौज की इस बर्बरता में 28 बेकसूर बलोच नागरिकों को टॉर्चर करके मार डाला गया.

सवालों के घेरे में जेपीएससी परीक्षा

- आईएएस मनीष रंजन का नाम सामने आया
- 100 से ज्यादा अभ्यर्थियों से पैसे लेकर दी नौकरी

रांची, 12 अगस्त। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में धांधली की जांच कर रही सीआईडी को पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली है. मामले में टीडीपीएल के पूर्व मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी से पूछताछ के बाद परीक्षा में पैसे के बदले अभ्यर्थियों को पास कराने से जुड़े नेटवर्क की तस्वीर सामने आयी है.

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, अभय तिवारी ने सीआईडी को बताया है कि 14वीं जेपीएससी परीक्षा में 100 से ज्यादा अभ्यर्थियों को पैसे लेकर पास कराया गया. वहीं, जेपीएससी की बैकलॉग परीक्षा में भी 100 से अधिक अभ्यर्थियों के पास होने की बात पूछताछ में सामने आई .जेपीएससी भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी का दायरा पहले के अनुमान से काफी बड़ा हो सकता है. यही वजह है कि सीआईडी अब सिर्फ परीक्षा में कथित धांधली तक सीमित नहीं रहकर मनी ट्रेल यानी पैसों के लेन-देन की पूरी कड़ी खंगालने में जुटी है. पूछताछ में आईएएस अधिकारी मनीष रंजन का नाम भी सामने आने की बात कही जा रही है.

224 यात्रियों को लेकर जा रही इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

चेन्नई. कोलकाता से चेन्नई आ रही इंडिगो की यात्री उड़ान में देर रात उस समय गंभीर स्थिति बन गई, जब लैंडिंग से ठीक पहले विमान के बाएं इंजन में खराबी का पता चला. विमान में 224 लोग सवार थे. इंजन में खराबी की जानकारी मिलते ही पायलट ने हवाई यातायात नियंत्रण को सूचना दी, जिसके बाद चेन्नई हवाईअड्डे पर पूर्ण आपातस्थिति घोषित कर दी गई. हवाईअड्डा प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-723 ने 11 अगस्त की रात करीब 11:29 बजे पूर्ण आपातस्थिति घोषित की. विमान को रात करीब 11:30 बजे चेन्नई पहुंचना था. लैंडिंग की तैयारी के दौरान पायलट को विमान के बाएं इंजन में खराबी का पता चला. जिसके बाद आपातकालीन लैंडिंग कराई गई.

वन विभाग का क्लर्क निकला करोड़ों का आसामी

जबलपुर/ मंडला, 12 अगस्त. आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने आय से अधिक संपत्ति मामले में बुधवार तड़के मण्डला में वन विभाग के एक क्लर्क के घर पर छापामार कार्रवाई कर दी.

अचानक हुई कार्रवाई हड़कंप मच गया. सुबह से शाम तक चली इस कार्रवाई में क्लर्क के पास से उसकी वैध कमाई से करीब 2.48 करोड़ रुपये की अधिक संपत्ति का खुलासा हुआ है. महज कुछ हजार की सैलरी पाने वाले कर्मचारी के ठाट-बाठ देखकर जांच अधिकारी भी दंग रह गए. जबलपुर ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के मुताबिक, पश्चिम वनमंडल मण्डला की मुख्य शाखा में पदस्थ ग्रेड-3 एल.डी.सी श्वेतांक चौरसिया पिता नंदकिशोर चौरसिया... ▶ शेष पेज 12 पर

ईओडब्ल्यू का छापा : 2.48 करोड़ की अकूत संपति उजागर

5 बैंक खाते मिले

ईओडब्ल्यू की शुरुआती कार्रवाई में आरोपी और उसके परिजनों के नाम पर अलग-अलग बैंकों में 5 बैंक खातों का पता चला है, जिनकी पासबुक और लेन-देन के रिकॉर्ड को जब्त कर लिया गया है.

रील से आगे बढ़ो, किताबों से सीखो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जेनजी को संदेश

नई दिल्ली, 12 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (12 अगस्त) को जेंजी को बड़ा संदेश दिया. उन्होंने कहा कि हमें भविष्य में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जैसे लाखों युवा चाहिए. पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी से आग्रह करुंगा, रील का ज़माना है, सोशल मीडिया में इन्फ्लुएंसर आपको खींच के कहीं-कहीं ले जाते हैं. शॉर्ट कट से बाहर निकलें, युवाओं से कहूंगा कि ऑटोबायोग्राफी जरूर पढ़े.

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ''ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स'' के विमोचन के मौके पर कहा कि ''राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पद से सेवा मुक्त होने के बाद भी उन्होंने विश्राम नहीं लिया. वो अभी भी एक देश एक चुनाव वन नेशन वन इलेक्शन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर काम कर रहे हैं. देश को जगा रहे हैं. ये एक ऐसा विषय है जिसका समाधान देश के लोकतंत्र का नया अध्याय शुरू कर सकता है. मैं मानता हूं इस कर्तव्य निष्ठा और सेवा भाव से देश के लोग बहुत कुछ सीख सकते हैं. उन्होंने कहा, ''सामायिक जीवन में सक्रिय रहते हुए ऑटोबायोग्राफी के लिए समय निकाल पाना बहुत मुश्किल होता है. रामनाथ कोविंद ने ये काम हम सबके लिए किया है. क्योंकि उनके जीवन में ऐसा कितना कुछ है जिसमें गरीब वंचित तबके से आए तमाम लोग अपने जीवन की परछाई देख सकते हैं. कैसे साधारण परिवार मुश्किल हालातों में भी जीवन की सुचिता और ईमानदारी से समझौता नहीं करता.

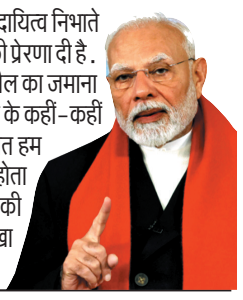

> पीएम मोदी ने कहा, ''अलग-अलग पदों का दायित्व निभाते हुए रामनाथ कोविंद ने समाज को निरंतर इसकी प्रेरणा दी है. मैं खास करके युवा पीढ़ी से आग्रह करूंगा. रील का जमाना है. सोशल मीडिया में इन्फ्लुएंसर आपको खींच के कहीं-कहीं ले जाते हैं. इस शॉर्टकट के युग में भी एक बात हम जरूर याद रखें रेलवे स्टेशन पर लिखा हुआ होता है. कुछ लोगों को पटरी पर कूद कर के जाने की आदत होती ब्रिज पर नहीं जाते. तो वहां लिखा होता है शॉर्ट कट विल कट यू शॉर्ट.

मैं हर सवाल का जवाब दूंगा

मैं खुद सदन में बैठूंगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 12 अगस्त. नीट पेपर लीक और जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में जारी गतिरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष को चर्चा की खुली चुनौती दी. शाह ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष को अब तय करना है कि वह संसद में गंभीर चर्चा करना चाहता है या चर्चा से बचना चाहता है.

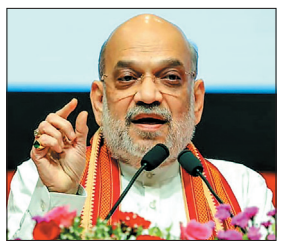

गृह मंत्री ने कहा कि वह खुद सदन में बैठेंगे और छात्र आंदोलन से जुड़े हर सवाल का जवाब देंगे. शाह ने कहा कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है.

उन्होंने विपक्ष से कहा कि वह दोपहर दो बजे तक लोकसभा अध्यक्ष को चर्चा के लिए पत्र दे.

इसके बाद बुधवार दोपहर तीन बजे से रात तक और अगले दिन दोपहर तीन बजे तक इस मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है. शाह ने स्पष्ट किया कि वह इस चर्चा में स्वयं मौजूद रहेंगे और सवालों के जवाब देंगे. गृह मंत्री ने यह भी कहा कि संसद में चर्चा के लिए नियम और प्रक्रिया तय है. किसी गंभीर मुद्दे पर केवल बयान देकर चर्चा पूरी नहीं हो सकती, बल्कि सदन में विस्तार से चर्चा होनी चाहिए.

इतिहास के झरोखे ▶ स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने से हुई थी नवभारत की शुरुआत

आजादी से जनविश्वास की आवाज तक के 9 दशक

संजीव शर्मा

भोपाल, 12 अगस्त. भारत के स्वतंत्रता संघर्ष का वह दौर जब समाचार केवल खबर नहीं था, बल्कि जागृति और परिवर्तन का माध्यम था। इसी ऐतिहासिक दौर में जन्म हुआ एक ऐसे समाचार-पत्र का, जिसने मध्यभारत की आवाज़ बनने का संकल्प लिया नवभारत की यह यात्रा इसलिए भी अलग है क्योंकि इसकी शुरुआत स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने से हुई थी

श्री रामगोपाल जी माहेश्वरी नवभारत के संस्थापक, जनक और प्रधान संपादक रहे उनका जन्म 20 नवंबर 1911 को हुआ वह वकालत छोड़कर पत्रकारिता के पेशे में आए उन्होंने ब्रिजलाल बियाणी के साथ नव राजस्थान से पत्रकारिता की शुरुआत की और 8 फरवरी 1934, वसंत पंचमी को नवभारत का प्रकाशन शुरू कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान निर्भीक पत्रकारिता की उन्होंने ब्रिटिश सरकार की कार्रवाई, नजरबंदी और दबाव के बावजूद प्रकाशन जारी रखा 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई वह आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण और जनहित की पत्रकारिता में संलग्न रहे गांधीवादी विचारों से प्रेरित बाबूजी ने पत्रकारिता को समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम बनाया उनके तीन पुत्रों स्व. श्री प्रकाश चंद्र माहेश्वरी, स्व. श्री प्रफुल्ल कुमार माहेश्वरी और स्व. श्री विनोद माहेश्वरी का समाचार पत्र के विकास में बड़ा योगदान रहा है.

> नवभारत ने अपने शुरुआती दिनों से ही स्वतंत्रता आंदोलन की घटनाओं को प्रमुखता से सामने रखा 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान इसकी निर्भीक पत्रकारिता ने जन-जागरूकता में योगदान दिया ब्रिटिश शासन ने प्रेस पर निगरानी रखी, छापे मारे और संस्थापक बाबूजी को जेल भी भेजा 1929 में समाज सेवा के क्षेत्र में कर्मयोगी जीवन प्रारंभ करने के उपरांत उन्होंने अपने कार्य क्षेत्र का निरंतर विस्तार किया सामाजिक कार्य, स्वाधीनता संग्राम में योगदान, पत्रकारिता, साहित्यिक क्षेत्र आदि अपने त्याग-तपस्या व साधना की ... ▶ शेष पेज 12 पर